शास्त्री - IInd Yr
Date 28/08/20

भारत के विदेशी व्यापार की मात्रा
(Volume of India's Foreign Trade)

स्वतंत्रता के उपरान्त भारत के विदेशी व्यापार में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, यह वृद्धि व्यापार की मात्रा एवं मूल्य दोनों में हुई है।

विगत दस वर्षों से भारतीय व्यापारिक माल व्यापार (मौजूदा मूल्य के आधार पर) 2004-05 में 195.1 मिलियन अमरीकी डालर से 2018-19 में बढ़कर 844.159 बिलियन अमरीकी डालर होकर लगभग 4 गुना बढ़ गया। विश्व व्यापार संगठन के अनुसार वैश्विक निर्यात और आयात में भारत का हिस्सा वर्ष 2004 में क्रमशः 0.8 प्रतिशत और 1.0 प्रतिशत से 2018 में बढ़कर क्रमशः 1.67 प्रतिशत और 2.57 प्रतिशत हो गया है। प्रमुख निर्यातकों और आयातकों की दृष्टि से भारत का स्थान वर्ष 2004 में क्रमशः 30 और 23 से सुधरकर 2018 में क्रमशः 19 और 10 हो गया। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी GDP) के अनुपात के रूप में कुल भारतीय व्यापारिक माल व्यापार 2004-05 में 29.0 प्रतिशत से बढ़कर 2013-14 में 42 प्रतिशत हो गया है। यद्यपि यह 2014-15 में गिरकर 38.1 प्रतिशत रह गया, 2015-16 में यह और गिरकर 36.9 प्रतिशत 2018-19 में 31% प्रतिशत रह गया।

वर्ष 2018-19 में देश के निर्यात 330.078 बिलियन डालर के रहे। जो वर्ष 2017-18 की इसी अवधि की तुलना में 8.7% की वृद्धि दर्शाते हैं। वर्ष 2018-19 में देश के आयात 514.078 बिलियन डालर के रहे। जो वर्ष 2017-18 की तुलना में 10.4% की वृद्धि दर्शाते हैं। इस प्रकार वर्ष 2018-19 में भारत का व्यापार घाटा 184 अरब डालर के आसपास रहा। जबकि वर्ष 2017-18 में यह घाटा मात्र 162.05 बिलियन डालर रिकार्ड किया गया था। भारत के April, March 2019-20 में 528.45 अरब अमरीकी डालर का समग्र निर्यात (Export) (वस्तु एवं सेवाएँ) होने का अनुमान लगाया गया है।

R.K.S. College Sukhdeva Tiwari
Bhawani
28.08.20

15वीं जनगणना 2011 के फाइनल आँकड़े

उपशास्त्री - IInd yr
Date 28/08/20.

वर्ष 2011 में भारत के जनगणना के final आँकड़े केन्द्रीय गृह मंत्री सुशील कुमार शिंदे ने 30 April, 2013 को जारी किये थे। ज्ञात हो कि यह 15वीं जनगणना फरवरी 2011 में सम्पन्न करायी गयी थी तथा इसके अनन्तिम (Provisional) आँकड़े 31 मार्च 2011 को जारी किये गये थे। 2011 में भारत की कुल जनसंख्या (1 मार्च 2011 के अनुसार) 1,21,01,93,422 (121.02 करोड़) आकलित की गई थी, जबकि final आँकड़ों में यह 1,21,07,26,932 (121.07 करोड़) बताई गयी है। भारत के रजिस्ट्रार जनरल एवं जनगणना आयुक्त की 7 जून 2014 की विज्ञप्ति के अनुसार मणिपुर के सेनापति जनपद के माओ-मरम, पाओमाता एवं पुरुल सब-डिवीजनों के आँकड़े के प्रकाशन के साथ भारत की अंतिम जनसंख्या 1,21,08,54,977 है। इसमें 62,32,70,258 पुरुष तथा 58,75,84,719 महिलाएं हैं।

फाइनल आँकड़ों के अनुसार 2001-11 के दशक में देश में कुल जनसंख्या में 18.196 करोड़ (17.7 प्रतिशत) की वृद्धि हुई। इससे पूर्व 1991-2001 के दशक में जनसंख्या में वृद्धि 21.54 प्रतिशत की रही थी। पुरुषों की संख्या में 2001-11 के दशक में निरपेक्ष वृद्धि जहाँ 9.097 करोड़ की हुई, इस प्रकार महिलाओं की संख्या में वृद्धि पुरुषों की तुलना में मामूली अधिक रही। राज्यों की जनसंख्या में सर्वाधिक 25.4 प्रतिशत की वृद्धि बिहार में दर्ज की गयी थी। साक्षरता के मामले में 5% से अधिक वृद्धि को रेखांकित 2001-11 के दशक में हुआ। 2001 में देश में साक्षरता की दर 64.84 प्रतिशत थी, जो 2011 के अंतिम आँकड़ों में 74.04 प्रतिशत (पुरुषों में 82.14 प्रतिशत एवं महिलाओं में 64.46 प्रतिशत) आकलित की गई थी।

R. U. S. College Sukhsena (Lecturer) Kaushal
28/08/20.

शास्त्री - I
Date 28/08/20.

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष
International Monetary Fund - I.M.F.

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष एक अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक संस्था है। ब्रेटनवुड्स सम्मेलन के निर्णयानुसार 27 Dec 1945 को इसकी स्थापना वाशिंगटन (Washington) में हुई थी। किन्तु इसने वास्तविक रूप से मार्च 1947 से कार्य प्रारम्भ किया था। वर्तमान स्थिति के अनुसार 189 राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के सदस्य हैं। क्रिस्टालिना जियोर्जीवा। अक्टूबर 2019 से अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के प्रबन्ध निदेशक के पद पर कार्यरत हैं।

I.M.F. के प्रमुख उद्देश्य :→ अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के समझौता अनुच्छेदों के अनुसार इसके प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं :— (1) अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग को प्रोत्साहित करना (11) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की सन्तुलित विकास करना। (3) विनिमय दरों में स्थिरता बनाये रखना। (4) बहुपक्षीय भुगतान की व्यवस्था स्थापित करके विनिमय प्रतिबन्धों को समाप्त करना, अथवा कम करना। (5) सदस्य देशों के प्रतिकूल भुगतान संतुलन को ठीक करने के लिये अस्थायी तौर पर आर्थिक सहायता प्रदान करना। (6) अन्तर्राष्ट्रीय भुगतानों के सन्तुलन के समय असंतुलन की मात्रा एवं अवधि में कमी करना।

अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की नियन्त्रण एवं प्रबन्ध एक बोर्ड ऑफ गवर्नर्स (Board of governors) में निहित है। प्रत्येक सदस्य देश को एक गवर्नर को मनोनीत करता है। जिनसे मिलकर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स का गठन होता है, इस मनोनयन के साथ ही प्रत्येक देश एक वैकल्पिक गवर्नर (Governor) की भी नियुक्ति करता है।

Mlachai
R. N. S. College Suruh Sens 28/08/20.

विकास के लिए प्रश्नों की प्रकृति की समझ महत

इसमें सहायक है।